कटनी के स्वामी से प्रार्थना करो कि वह मजदूरों को भेजे

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

मत्ती 9:38 (हिंदी बाइबल):
“इसलिये कटनी के स्वामी से बिनती करो कि वह अपनी कटनी के लिये मजदूर भेज दे।”

यीशु भीड़ को देखकर करुणा से भर गए, क्योंकि वे लोग “भटके और बेसहारा थे, जैसे भेड़ें जिनका कोई रखवाला न हो” (मत्ती 9:36)। तब उन्होंने अपने चेलों की ओर मुड़कर यह दिव्य आदेश दिया। यह केवल एक सुझाव नहीं, बल्कि एक स्पष्ट आज्ञा है कि हमें परमेश्वर के राज्य के काम के लिए मजदूरों के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। इससे न केवल सुसमाचार और पासबानी सेवकाई का महत्व प्रकट होता है, बल्कि उसकी तात्कालिक आवश्यकता भी।

यह प्रार्थना हमें एक मूल सत्य की ओर ले जाती है: परमेश्वर ही कटनी का स्वामी है। अर्थात मिशन, खेत (दुनिया) और जिन्हें वह भेजता है—सब पर उसी का अधिकार है। हमारी भूमिका यह है कि हम मध्यस्थ प्रार्थना और आज्ञाकारिता के द्वारा उसके साथ सहभागी बनें।

नीचे छह महत्वपूर्ण मिशन क्षेत्र दिए गए हैं, जहाँ कलीसिया को तुरंत प्रार्थना करनी चाहिए और सेवकों का समर्थन करना चाहिए:

कटनी के स्वामी से प्रार्थना करो कि वह मजदूरों को भेजे

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

1. कलीसिया में

इफिसियों 4:11–12 (हिंदी बाइबल):
“और उसी ने कितनों को प्रेरित, कितनों को भविष्यद्वक्ता, कितनों को सुसमाचार सुनानेवाले, और कितनों को पासबान और उपदेशक ठहराया, कि पवित्र लोग सेवा के काम के लिये सिद्ध किए जाएँ, ताकि मसीह की देह की उन्नति हो।”

कलीसिया प्रशिक्षण का स्थान भी है और मिशन क्षेत्र भी। परमेश्वर ने लोगों को कलीसिया के निर्माण के लिए वरदान दिए हैं, फिर भी बहुत-सी कलीसियाओं में अगुवों, संडे स्कूल शिक्षकों, युवा सेवकों और आराधना अगुवों की कमी है। आवश्यकता है कि और अधिक आत्मा-से भरे, तैयार सेवक उठें। आइए हम प्रभु से प्रार्थना करें कि वह ऐसे लोगों को भेजे जो चरवाही करें, शिष्य बनाएँ और दूसरों को तैयार करें।

2. स्कूलों में

नीतिवचन 22:6 (हिंदी बाइबल):
“लड़के को उसी मार्ग की शिक्षा दे जिसमें उसे चलना चाहिए; और वह बुढ़ापे में भी उससे न हटेगा।”

शैक्षिक संस्थान आत्मिक दृष्टि से रणनीतिक युद्धभूमियाँ हैं। यहाँ ज्ञान के साथ-साथ ऐसी विचारधाराएँ भी दी जाती हैं जो बच्चों और युवाओं

कटनी के स्वामी से प्रार्थना करो कि वह मजदूरों को भेजे

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

को परमेश्वर के सत्य से दूर कर सकती हैं। हमें विश्वासियों—छात्रों और शिक्षकों—की आवश्यकता है जो इन स्थानों में नमक और ज्योति बनें (मत्ती 5:13–14)।
जैसे पौलुस ने तीमुथियुस को प्रोत्साहित किया, वैसे ही युवाओं को भी वचन, चाल-चलन, प्रेम, विश्वास और पवित्रता में आदर्श बनना चाहिए (1 तीमुथियुस 4:12)।

3. अस्पतालों में

याकूब 5:14–15 (हिंदी बाइबल):
“क्या तुम में कोई बीमार है? वह कलीसिया के प्राचीनों को बुलाए, और वे प्रभु के नाम से उस पर तेल मलकर उसके लिये प्रार्थना करें। और विश्वास की प्रार्थना रोगी को चंगा करेगी।”

अस्पताल शारीरिक ही नहीं, आत्मिक पीड़ा के भी स्थान हैं। कई बार कानूनी या संस्थागत सीमाओं के कारण सेवकों की पहुँच सीमित होती है। परंतु जब मसीही डॉक्टर, नर्सें और देखभाल करनेवाले आत्मा की अगुवाई में काम करते हैं, तो वे परमेश्वर की चंगाई के पात्र बन सकते हैं—शारीरिक और आत्मिक दोनों रूपों में।
हमें चिकित्सा क्षेत्र में एक जागृति के लिए प्रार्थना करनी चाहिए, ताकि मसीह की करुणा और सामर्थ्य उनके कार्यस्थलों पर प्रकट हो।

कटनी के स्वामी से प्रार्थना करो कि वह मजदूरों को भेजे

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

4. शासन और प्रशासन में

दानिय्येल 6:3 (हिंदी बाइबल):
“दानिय्येल इन प्रधानों और हाकिमों से बढ़कर निकला, क्योंकि उसमें उत्तम आत्मा थी; और राजा ने उसे सारे राज्य पर नियुक्त करने की ठानी।”

शासन में परमेश्वर से डरने वाले लोगों की उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है। पवित्रशास्त्र में दानिय्येल, यूसुफ और एस्तेर जैसे अनेक उदाहरण हैं, जिनके द्वारा परमेश्वर ने राष्ट्रों को प्रभावित किया।
शत्रु न्याय, नीतियों और नेतृत्व को बिगाड़ने का प्रयास करता है, पर जब विश्वासी अधिकार के पदों पर होते हैं, तो वे सत्य बोल सकते हैं और धार्मिकता को बनाए रख सकते हैं। प्रार्थना करें कि परमेश्वर आज के समय में नए दानिय्येल और एस्तेर उठाए, जो सार्वजनिक सेवा में निर्भीक गवाह बनें।

5. सड़कों पर

लूका 14:23 (हिंदी बाइबल):
“सड़कों और बाड़ों के पास जाकर लोगों को आने के लिये विवश कर, कि मेरा घर भर जाए।”

सड़कें रोज़मर्रा के जीवन का प्रतीक हैं—जहाँ लोग काम करते हैं, मिलते-जुलते हैं और अक्सर नैतिक व आत्मिक गिरावट में पड़ जाते हैं।

कटनी के स्वामी से प्रार्थना करो कि वह मजदूरों को भेजे

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

बहुत-से लोग जो यीशु को जानते नहीं, कलीसिया नहीं आएँगे; इसलिए कलीसिया को उनके पास जाना होगा।
हमें सुसमाचार प्रचारकों और नगर मिशनरियों की आवश्यकता है—यहाँ तक कि उन लोगों की भी, जिन्हें नशे, अपराध या वेश्यावृत्ति के जीवन से छुड़ाया गया है—जो अब उसी उत्साह से सुसमाचार फैलाएँ।

6. ऑनलाइन और सोशल मीडिया में

रोमियों 10:17 (हिंदी बाइबल):
“इसलिये विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है।”

इंटरनेट विचारों और प्रभाव का एक विशाल वैश्विक मंच बन चुका है—अच्छाई और बुराई दोनों के लिए। दुर्भाग्य से, यहाँ अक्सर पाप, धोखे और परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह को बढ़ावा देने वाली आवाज़ें हावी रहती हैं। फिर भी, परमेश्वर इस मंच को भी छुड़ा सकता है।
कल्पना कीजिए, यदि वे प्रभावशाली लोग और सामग्री निर्माता, जो पहले अंधकार फैलाते थे, अब मसीह की ज्योति का प्रचार करें। हमें डिजिटल मिशनरियों के लिए प्रार्थना करनी चाहिए—उनके लिए जो ब्लॉग, वीडियो, सोशल मीडिया और पॉडकास्ट के माध्यम से सुसमाचार सुनाने और शिष्य बनाने के लिए बुलाए गए हैं।

निष्कर्ष: प्रार्थना के लिए एक बुलाहट

कटनी के स्वामी से प्रार्थना करो कि वह मजदूरों को भेजे

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

ये सभी छह मिशन क्षेत्र परमेश्वर के राज्य की उन्नति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, और साथ ही आत्मिक संघर्ष के क्षेत्र भी हैं। परंतु परिवर्तन की परमेश्वर की रणनीति प्रार्थना से आरंभ होती है।

अपनी प्रार्थनाओं को केवल व्यक्तिगत आवश्यकताओं तक सीमित न रखें। अनुग्रह से उद्धार पाए हुए व्यक्ति के रूप में, हर क्षेत्र में मजदूरों के लिए मध्यस्थता करने का आह्वान स्वीकार करें। यीशु ने हमें स्पष्ट रूप से बताया है कि क्या करना है: कटनी के स्वामी से प्रार्थना करो। वह भेजने के लिए तैयार है—क्या हम माँगने के लिए तैयार हैं?

मत्ती 9:38 (हिंदी बाइबल):
“इसलिये कटनी के स्वामी से बिनती करो कि वह अपनी कटनी के लिये मजदूर भेज दे।”

मरानाथा – हे प्रभु यीशु, आ।

Share on:
WhatsApp